

Proposed privatisation of J.N.P.T. port and concern over national security

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, मेरा जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के प्राइवेटाइजेशन को रोकने के लिए अर्जेंट मैटर है। सभी को मालूम है कि देश की आर्थिक हालत बहुत गंभीर है। नोटबंदी के बाद कोरोना का संकट है। अब स्थिति ऐसी है कि हमारी जीडीपी और हमारा आरबीआई भी कंगाल हो चुका है। ऐसे में सरकार रेलवे, एयर इंडिया, एलआईसी आदि बेचने के लिए बाजार में लायी है। एक बहुत बड़ी सेल लगी है। अब इस सेल में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट को भी खड़ा कर दिया है। सरकार जेएनपीटी को निजी हाथों में देने के बारे में सोच रही है। महोदय, जेएनपीटी विश्व में एक बहुत बड़ा पोर्ट है, जो भारत सरकार को 30 परसेंट से ज्यादा मुनाफा कमाकर देता है। ऐसे महत्वपूर्ण पोर्ट को प्राइवेट हाथों में देना देश की राष्ट्रीय सम्पत्ति का बहुत बड़ा नुकसान है।

दूसरी बात यह कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज़ से भी पोर्ट काफी महत्वपूर्ण है। वार पीरियड में नेवी के बाद इस पोर्ट का इस्तेमाल आर्म्स और weapons के ट्रान्सपोर्टेशन के लिए किया जाता है। जेएनपीटी के प्राइवेटाइजेशन के बाद सात हज़ार एकड़ ज़मीन जो बहुत ही valuable है, यह प्राइवेट हाथों में चली जाएगी। जेएनपीटी बड़े पैमाने पर इम्प्लॉयमेंट देता है और जब उसका निजीकरण होगा, तो सबसे पहले इम्प्लॉयीज़ की छंटनी होगी। इसलिए मेरा मानना है कि सरकार को जेएनपीटी को प्राइवेटाइज़ होने से रोकना चाहिए। राष्ट्रीय सम्पत्ति और सुरक्षा की और कामगारों के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

श्री राजीव सातव (महाराष्ट्र): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Prabhakar Reddy Vemireddy; I think he is not present. Next is Dr. Ameer Yajnik.

Need to upgrade medical services infrastructure for non-communicable diseases

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Thank you, Sir, for giving me this opportunity to raise a very important matter today. Sir, the last few months have shown the crisis of the Covid-19 and how the doctors and the medical health services have been engrossed

[Dr. Ameer Yajnik]

in treating this particular disease. But in the process, the fact that has come forward is a grim picture that the patients who suffer from non-communicable diseases are unable to get access to medical services such as OPD services, physiotherapy, dialysis for renal diseases and radiotherapy or chemotherapy for cancer patients. This is a very important fact that while we are engrossed in treating patients of Covid-19, these non-communicable disease patients are left high and dry. I would like to say that there is ample evidence to show that these diseases which are non-communicable diseases such as diabetes, high blood pressure, hypertension, renal failure and cardiovascular failures have replaced communicable diseases in causing death, disability and morbidity. It is high time that this Government looks at a very separate infrastructure which would have specialised manpower, technologies and access to these centres so that people with non-communicable diseases can go and avail of these services. It is a fact that non-communicable diseases are here and Covid-19 is also here to stay. So, to have a new thinking on this aspect, I urge the present Government, through you and through this august House, that there should be a separate investment with enough manpower and enough medical services so that these non-communicable disease patients can access to these services and technology. Sir, I thank you for giving me this opportunity to raise this important issue.

श्री राजीव सातव (महाराष्ट्र): महोदय, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

श्री सभापति: श्री रवि प्रकाश वर्मा कहां हैं?

श्री रवि प्रकाश वर्मा: सर, मैं लोक सभा चैम्बर में हूँ।

श्री सभापति: रवि प्रकाश जी, आगे आपको लोक सभा भेजेंगे।